संदर्भ Ref.:नि.से.वि.ISD/241/2026-27 दिनांक Date : 29.10.2026

बीएसई लिमिटेड BSE Ltd. **बीएसई लिस्टिंग सेंटर BSE Listing Centre** **स्क्रिप कोड Scrip Code - 532 477**	**नेशनल स्टॉक एक्स्चेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड** **National Stock Exchange of India Ltd.** **निप्स / NEAPS** **स्क्रिप कोड Scrip Symbol-UNIONBANK-EQ** **सिक्योरिटी Security - UBI-AT/BB**

महोदया Madam/महोदय Sir,

Subject : Notice Published in the Newspaper - Special Window for Re-lodgement of Transfer Requests of Physical Shares

We enclose copies of the Newspaper publication of Special Window for Relodgement of Transfer Requests of Physical Shares published in the Newspaper - Business Standard English & Hindi edition and Marathi Newspaper - Navshakti on 28th October 2026. This is for your information and appropriate dissemination

भवदीय Yours faithfully,

ASHISH MISHRA Digitally signed by ASHISH MISHRA Date: 2026.10.29 12:11:43 +05'30'

(Ashish Mishra)
Company Secretary

Encl. - As above.

खबरों में रहे स्टॉक

टाटा मोटर्स

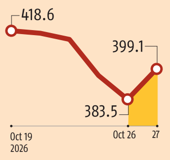

दिग्गज कंपनी ने भारत में 3,000 इलेक्ट्रिक ट्रक बनाने के लिए एमेजॉन के साथ किया करार

₹ 383.5 पिछला बंद भाव
₹ 399.1 आज का बंद भाव
4.1 % ▲

एक्यूटास केमिकल्स

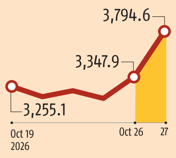

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 73 फीसदी वृद्धि के साथ 125 करोड़ रुपये पर पहुंचा

₹ 3,347.9 पिछला बंद भाव
₹ 3,794.6 आज का बंद भाव
13.3 % ▲

रेडिको खेतान

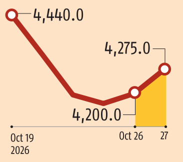

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 66 फीसदी उछल कर 232 करोड़ रुपये दर्ज किया

₹ 4,200.0 पिछला बंद भाव
₹ 4,275.0 आज का बंद भाव
1.8 % ▲

वीए टेक वाबाग

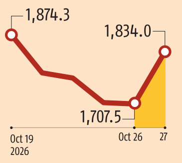

जल प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी को जामनगर में डिसेलिनेशन प्लांट के लिए आरआईएल से ऑर्डर मिला

₹ 1,707.5 पिछला बंद भाव
₹ 1,834.0 आज का बंद भाव
7.4 % ▲

जुबिलेंट इनग्रेविया

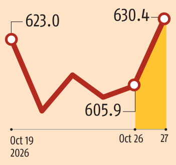

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 60 फीसदी उछल के साथ 111 करोड़ रुपये रहा

₹ 605.9 पिछला बंद भाव
₹ 630.4 आज का बंद भाव
4.1 % ▲

संक्षेप में

रेडिको खेतान का लाभ 232 करोड़ रुपये पर

शराब बनाने वाली कंपनी रेडिको खेतान का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 66.5 प्रतिशत बढ़कर 232.34 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 139.55 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की सितंबर तिमाही में उसकी परिचालन आय सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर 5,582.71 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान कुल बिक्री मात्रा 10.1 प्रतिशत बढ़कर 98.3 लाख पेटी रही। *भाषा*

मोरेपेन लैबोरेटरीज को हुआ मुनाफा

मोरेपेन लैबोरेटरीज लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि सितंबर में समाप्त चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर बढ़कर 88.89 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 41.04 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका राजस्व बढ़कर 746.5 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 411.57 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी का कुल खर्च भी बढ़कर 638.64 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में यह 396.34 करोड़ रुपये था। *भाषा*

वर्ल्ड होटल्स के तहत लाए गए 4,000 होटल

अमेरिका स्थित हॉस्पिटैलिटी समूह बीडब्ल्यूएच होटल्स ने बुधवार को 100 देशों में अपने 4,000 से अधिक होटलों को वर्ल्ड होटल्स के तहत नए वैश्विक मास्टर ब्रांड के रूप में लाने का ऐलान किया। इस बदलाव से 18 ब्रांड, लॉयल्टी कार्यक्रम और डिजिटल प्लेटफॉर्म एक जगह आ जाएंगे, जबकि स्वतंत्र होटलों को अपने मौजूदा नामों और ब्रांड पहचान को बनाए रखने की अनुमति होगी। इस बारे में वर्ल्ड होटल्स के अध्यक्ष और सीईओ लैरी कुकुलिक ने कहा, 'हमारे पास व्यवहारिक रूप से हर प्रकार की यात्रा के लिए एक होटल है, लेकिन कई यात्री हमारे पोर्टफोलियो के केवल एक हिस्से को ही जानते हैं।' यह हॉस्पिटैलिटी समूह वर्तमान में देश में 34 होटल संचालित करता है और 26 होटल निर्माणाधीन हैं। *बीएस*

जियो ने जोड़े 27.13 लाख मोबाइल ग्राहक

रिलायंस जियो ने सितंबर महीने में 27.13 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े। यह भारती एयरटेल के 26.92 लाख नए ग्राहकों से अधिक है। दूरसंचार नियामक ट्राई के मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में वोडाफोन आइडिया ने 5.50 लाख और सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने 6.26 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े। सितंबर के अंत में जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या बढ़कर 51.11 करोड़ हो गई, जबकि एयरटेल के ग्राहक 49.43 करोड़ रहे। वोडाफोन आइडिया के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 20 करोड़ से अधिक और बीएसएनएल की 9.43 करोड़ रही। *भाषा*

मारुति सुजूकी का मुनाफा गिरा

लागत वृद्धि, मुद्रा विनिमय के प्रतिकूल प्रभाव और म्युचुअल फंड में नुकसान की पड़ी छाया

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर

मारुति सुजूकी इंडिया का एकीकृत शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 26.4 फीसदी घटकर 2,466.1 करोड़ रुपये रहा। कच्चे माल की लागत बढ़ने, मुद्रा विनिमय के प्रतिकूल असर और म्युचुअल फंड निवेश में नुकसान से कंपनी का मुनाफा प्रभावित हुआ है।

मारुति सुजूकी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी ताकेउची ने वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'वित्त वर्ष 2027 में अब तक हम तीन बार कीमतें बढ़ा चुके हैं। साथ ही हम सभी खर्चों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर आप पहली तिमाही से तुलना करें तो दूसरी तिमाही में कुछ सुधार होता दिखेगा। अगले छह महीनों में हम सही समय देखकर कीमतें बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इससे हमारे मुनाफे की स्थिति और बेहतर होगी।'

वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी की आय पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 26 फीसदी बढ़कर लगभग 53,355 करोड़ रुपये रही। इस दौरान कुल खर्च कहीं 29.7 फीसदी बढ़कर करीब 50,619 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसका मतलब यह हुआ कि खर्चों में हुई बढ़ोतरी आय में हुई वृद्धि से अधिक रही, जिससे अधिक बिक्री के बावजूद मुनाफे पर दबाव पड़ा।

छोटी कारों के बारे में मारुति सुजूकी के चेयरमैन आर सी भार्गव ने कहा कि 2047 में भी जब भारत के विकसित देशों में शामिल होने की उम्मीद है, तब भी यहां छोटी कारों का एक बड़ा बाजार बना रहेगा क्योंकि आबादी के एक बड़े हिस्से को किफायती परिवहन की जरूरत बनी रहेगी। भार्गव ने कहा, 'मेरा मानना है कि 2047 में जब भारत विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा, तब भी देश में छोटी कारों का एक बड़ा बाजार बना रहेगा क्योंकि हमारी आबादी बहुत बड़ी है।' उन्होंने कहा कि भारत का कार बाजार विविधतापूर्ण बना रहेगा, जहां अलग-अलग आय वर्गों के खरीदार विभिन्न कीमतों की गाड़ियां खरीदना चाहेंगे।

मारुति सुजूकी के मुख्य वित्तीय अधिकारी अर्णव रॉय ने कहा कि कंपनी के परिचालन प्रदर्शन में सुधार हुआ है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का एबिटा मार्जिन 8.6 फीसदी था जो दूसरी तिमाही में बढ़कर 9.4 फीसदी हो गया।

बजाज ऑटो को निर्यात और ईवी से दम

शाइन जेकब
चेन्नई, 27 अक्टूबर

बजाज ऑटो ने 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 62 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 2,122.03 करोड़ रुपये के मुकाबले 3,436.1 करोड़ रुपये रहा।

इस अवधि के दौरान परिचालन से समेकित राजस्व 59 फीसदी बढ़कर 25,125.56 करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल व्यय पिछले वर्ष की इसी अवधि के 12,677.41 करोड़ रुपये से बढ़कर 21,107.36 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के दौरान बेहतर प्रदर्शन मुख्य रूप से निर्यात में 41 फीसदी की वृद्धि और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंडों में उच्च बिक्री के कारण दिखाई दिया। उत्पादन और कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण व्यय में वृद्धि हुई है।

दूसरी तिमाही में कंपनी के दोपहिया और तिपहिया सेगमेंट की बिक्री में 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें दोपहिया बिक्री 20 फीसदी बढ़कर 12.8 लाख यूनिट दर्ज की गई।

एसीसी के लाभ में 91.7 फीसदी की बड़ी गिरावट आई

अदाणी समूह की सीमेंट कंपनी एसीसी लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 91.7 प्रतिशत घटकर 93 करोड़ रुपये रहा। अंबुजा सीमेंट्स की अनुषंगी कंपनी एसीसी ने पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 1,119 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। एसीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में मंगलवार को कहा कि पिछले साल के मुनाफे में पूर्व अवधि से संबंधित 659 करोड़ रुपये के आयकर प्रावधान को वापस लेने और आयकर रिफंड पर मिले 205 करोड़ रुपये के ब्याज की राशि भी शामिल थी।

सिप्ला का लाभ और राजस्व दोनों में दर्ज की गई कमी

मुंबई स्थित फार्मा दिग्गज सिप्ला ने 2026-27 की दूसरी तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में पिछले साल के मुकाबले 35 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। यह गिरावट उसके अमेरिका और सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री व्यवसायों में लगातार सिकुड़न के कारण आई है। दवा निर्माता ने पिछले साल की समान तिमाही में 1,351 करोड़ रुपये की तुलना में 878 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया है। परिचालन से राजस्व भी सालाना आधार पर 2.4 फीसदी घटकर पिछले साल के 7,589 करोड़ रुपये से कम होकर 7,404 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। नियामक फाइलिंग के अनुसार, सिप्ला के उत्तरी अमेरिका व्यवसाय ने तिमाही राजस्व 1,643 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के 2,039 करोड़ रुपये से 19 फीसदी कम है।

एलऐंडटी के लाभ में 33 फीसदी वृद्धि

सुधीर पाल सिंह
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर

विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलऐंडटी ने मंगलवार को सितंबर तिमाही के लिए 33 फीसदी की छलांग के साथ 5,202 करोड़ रुपये का समेकित लाभ (पीएटी) दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 3,926 करोड़ रुपये था। परियोजना, उत्पाद और विनिर्माण पोर्टफोलियो में निरंतर प्रगति से तिमाही के तीन महीनों के दौरान कंपनी का समेकित राजस्व भी 16 फीसदी बढ़कर 78,750 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी ने 28 फीसदी की वृद्धि के साथ 1,47,665 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल किए हैं। ये हाइड्रोकार्बन, कार्बनलाइट सॉल्यूशंस, पब्लिक स्पेसेस और एयरपोर्ट और पावर ट्रांसमिशन तथा डिस्ट्रीब्यूशन व्यवसायों से जुड़े बड़े ठेके हैं।

कंपनी ने कहा कि सितंबर 2026 के अंत में समूह स्तर पर उसका समेकित ऑर्डर बुक 8,53,514 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च 2026 की तुलना में 15 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर कुल ऑर्डर बुक का 54 फीसदी रहा। कंपनी के चेयरमैन और एमडी एसएन सुब्रमण्यन ने कहा, 'कंपनी ने लगातार बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भी शानदार प्रदर्शन किया है। यह ग्राहकों के विश्वास और भौगोलिक क्षेत्रों में बड़े एवं जटिल ऑर्डर हासिल करने की हमारी क्षमता को दर्शाता है।

ढाका मेट्रो के निर्माण का ठेका मिला

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन ऐंड टुब्रो (एलऐंडटी) को बांग्लादेश की ढाका मेट्रो रेल परियोजना (लाइन-1) के लिए दो अहम पैकेजों के डिजाइन और निर्माण का बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी के परिवहन कारोबार वर्टिकल को मिले इन ऑर्डर में ट्रैक निर्माण, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, सिग्नलिंग, टेली कम्युनिकेशन और प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर से जुड़े काम शामिल हैं। यह बांग्लादेश की पहली भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना है। इससे पहले एलऐंडटी ने ढाका मेट्रो की लाइन 6 के लिए एकीकृत रेलवे तंत्र का काम हासिल किया था और उसे सफलतापूर्वक पूरा किया था। यह बांग्लादेश का पहला मेट्रो रेल कॉरिडोर है जो फिलहाल व्यावसायिक रूप से संचालित हो रहा है।

टाटा मोटर्स का रणनीतिक कदम

इवेको के अधिग्रहण का रास्ता हुआ साफ

शाइन जेकब
चेन्नई, 27 अक्टूबर

भारत की दिग्गज वाणिज्यिक वाहन कंपनी टाटा मोटर्स की इटली की ट्रक निर्माता इवेको के अधिग्रहण के लिए बोली ने 80 फीसदी की अनिवार्य मंजूरी की सीमा पार कर ली है। इसके साथ ही इवेको को खरीदने का रास्ता साफ हो गया है।

टाटा मोटर्स ने सोमवार को इवेको समूह की 87.81 फीसदी हिस्सेदारी के लिए अपने 3.91 अरब यूरो (लगभग 41,587 करोड़ रुपये) के खरीद प्रस्ताव के तहत अस्थायी मंजूरी हासिल कर ली। इससे इवेको में टाटा की हिस्सेदारी 89.42 फीसदी हो जाएगी। इस कदम से टाटा मोटर्स के वैश्विक बाजार में विस्तार के साथ नए मॉडल पेश करने का रास्ता साफ हो गया है। टाटा मोटर्स ने इवेको को खरीदने की घोषणा पिछले साल जुलाई में की थी। लेकिन बीते 15 महीनों में इस सौदे को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कंपनी को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा।

बीते 16 अक्टूबर को एक असाधारण आम बैठक में लगभग 53 फीसदी सदस्यों ने कथित तौर पर सौदे के पक्ष और 12 फीसदी ने विरोध में मतदान किया। कुल 35 फीसदी सदस्य ऐसे रहे, जिन्होंने मतदान नहीं किया। बैठक में शेयरधारकों ने बोर्ड की ओर से रखे गए सभी प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनमें शेयर सौंपने की न्यूनतम स्वीकृति सीमा को 95 फीसदी से घटाकर 80 फीसदी करना भी शामिल है। इवेको ने शेयर बाजार फाइलिंग में कहा, 'इवेको के सामान्य शेयरों के लिए टाटा मोटर्स द्वारा लॉन्च किए गए सार्वजनिक टेंडर प्रस्ताव (ओपीए) के हिस्से के रूप में स्वीकृति की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर को 97,078,765 आवेदन जमा किए गए।

माइक्रोसॉफ्ट देगी कर्मियों को मानक सेवरेंस पैकेज

माइक्रोसॉफ्ट अपने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम के तहत भारत में कर्मचारियों को मानक सेवरेंस पैकेज देगी। इसमें पूरे कार्यकाल के दौरान हर वर्ष के लिए एक महीने का मूल वेतन, स्वास्थ्य बीमा और करियर बदलाव में मदद आदि शामिल हैं।

कंपनी ने कहा कि कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का लाभ उठाने के लिए 1 दिसंबर तक निर्णय लेना होगा। कंपनी ने सोमवार को वैश्विक स्तर पर लगभग 60,000 लोगों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की पेशकश की है, जो उसके कुल 2,23,000 कर्मचारियों का 25 फीसदी है। कंपनी में एक चौथाई कार्यबल को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की पेशकश का निर्णय ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर की कंपनियां एआई के साथ दक्षता में सुधार और राजस्व बढ़ाने के तरीके तलाश रही हैं। *बीएस*

कोल इंडिया का पूंजीगत व्यय 27 फीसदी बढ़ा

सुधीर पाल सिंह
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर

सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर) के दौरान पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 6,283 करोड़ रुपये के मुकाबले 27 फीसदी बढ़कर 7,996 करोड़ रुपये हो गया है।

कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'यह व्यय 7,286 करोड़ रुपये के पहली छमाही लक्ष्य से अधिक रहा, जो इस अवधि के लिए नियोजित व्यय का 109 फीसदी और 16,500 करोड़ रुपये के वार्षिक कैपेक्स लक्ष्य का 48 फीसदी से अधिक है।'

वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में सीआईएल को सबसे बड़ा 2,152 करोड़ रुपये का निवेश खदान अवसंरचना क्षेत्र में आया। इसमें कोयला निकासी और हैंडलिंग ढांचे को मजबूत करने के लिए रेलवे साइडिंग और कॉरिडोर, कोयला हैंडलिंग प्लांट, साइलो और वेब्रिज में निवेश शामिल है।

कंपनी ने कहा, 'इस दौरान भूमि अधिग्रहण के लिए भी 2,033 करोड़ रुपये की मोटी रकम इस्तेमाल की गई। इसके अतिरिक्त, खनन परियोजनाओं के विस्तार और परिचालन सुधारने के लिए खदान विकास पर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए।'

जेएलएल ने गिफ्ट सिटी में ग्लोबल ट्रेजरी सेंटर खोला

वैश्विक रियल एस्टेट सेवा फर्म जेएलएल ने अपने वैश्विक कारोबार के ट्रेजरी परिचालन को एक जगह करने और पूंजी नियोजन में सुधार के लिए गुजरात इंटरनैशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में कॉरपोरेट ट्रेजरी सेंटर स्थापित किया है।

कंपनी ने गिफ्ट सिटी के इंटरनैशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (आईएफएससी) में जोन्स लैंग लासेल प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (जेएलएल इंडिया) के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएलएल फाइनैंस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की है। जेएलएल इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी राधा धीर ने कहा, 'गिफ्ट सिटी का मॉडल नियामक मजबूती और बेहतरीन प्रतिभाओं का सही मिश्रण है।' *बीएस*

'विनिर्माण में निर्यात हब बनेगा भारत'

वैबटेक ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए रेलवे के साथ किया करार

शाइन जेकब
चेन्नई, 27 अक्टूबर

वैबटेक कॉर्पोरेशन भारत को वैश्विक विनिर्माण और इंजीनियरिंग केंद्र के रूप में मजबूत कर रहा है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने प्रतिष्ठित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कार्यक्रम की मदद के लिए कई ट्रांजिट सेवाओं के लिए भारतीय रेलवे से ऑर्डर लिए हैं। लगभग 9.4 करोड़ डॉलर (लगभग 839 करोड़ रुपये) के इन समझौतों से भारतीय रेलवे को सेवा विस्तार, रखरखाव और यात्री सुरक्षा में सुधार करने में मदद मिलेगी।

वैबटेक ट्रांजिट के प्रेसिडेंट पास्कल श्वेत्ज़र ने मंगलवार को बिज़नेस स्टैंडर्ड से बातचीत में कहा कि कंपनी की योजना देश के ग्राहकों को सेवाएं देने के साथ-साथ यूरोप और अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी विस्तार की योजना बना रही है। श्वेत्ज़र ने कहा कि कंपनी यूरोप, अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात के लिए भारत को विनिर्माण और इंजीनियरिंग क्षेत्र में उत्कृष्टता वाला वैश्विक केंद्र विकसित कर रही है।

उन्होंने कहा कि उनकी रणनीति स्थानीय बाजार को भी मजबूत करने की है और वह वंदे भारत स्लीपर और चेन्नई मेट्रो चरण-2 जैसी परियोजनाओं के लिए स्वदेशी तकनीक की आपूर्ति के लिए भारतीय रेलवे, मेट्रो ऑपरेटरों और निजी ऑपरेटरों के साथ साझेदारी कर रही है। यही नहीं, कंपनी आने वाले समय में प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजनाओं में भी हिस्सेदारी की योजना बना रही है।

करार के अनुरूप वैबटेक ब्रेक सिस्टम, दरवाजे और गैंगवे समाधानों सहित महत्त्वपूर्ण ऑन-बोर्ड सिस्टम की आपूर्ति करेगी। इसमें सिस्टम डिलिवरी, इसे लगाने में सहयोग, परीक्षण, चालू करना और भारतीय रेलवे के सख्त कामकाजी प्रदर्शन और डिलिवरी जरूरतों के हिसाब से दीर्घकालिक परिचालन निर्भरता सहयोग शामिल है।

उन्होंने कहा, 'भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण में सहयोग के लिए वैबटेक प्रतिबद्ध है। यह सौदा हमारी तकनीक की ताकत, स्थानीय विनिर्माण क्षमता और बड़े पैमाने पर रेल कार्यक्रमों की आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता को दर्शाता है।'

भारतीय रेलवे की प्रमुख विनिर्माण इकाई इंटीग्रल कोच फैक्ट्री 50 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट का निर्माण करेगी। ये कोच ऐसी तकनीक से लैस होंगी, जिनसे ट्रेनों को रात में लंबी दूरी की यात्रा आसानी से पूरी करने में मदद मिलेगी। कुल 24 कोच वाले ट्रेनसेट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसमें यात्रियों को अधिक आराम मिलेगा और इनमें सुरक्षा तथा सुविधाएं भी बेजोड़ होंगी। वंदे भारत स्लीपर परियोजना के लिए वैबटेक के अनुबंध बड़ी व्यवसायिक उपलब्धि साबित हुए हैं और प्रमुख रेल कोच निर्माताओं, सिस्टम इंटीग्रेटर्स और राष्ट्रीय रेलवे कार्यक्रमों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करते हैं।

वैबटेक ने अपने पोर्टफोलियो में पहले से ही अनुमानित 80 से 90 फीसदी स्थानीयकरण दर हासिल कर ली है। उन्होंने कहा, 'वैबटेक का फ्रांस (एसएनसीएफ), जर्मनी (डॉयच बान), इटली (ट्रेनिटालिया), ब्रिटेन और चीन में हाई-स्पीड नेटवर्क के साथ काम करने का अनुभव है। इसका लाभ उठाते हुए कंपनी देश में आगामी हाई-स्पीड और क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट परियोजनाओं के लिए काम करने की योजना बना रही है।'

स्थानीयकरण को भी बढ़ावा

- लगभग 839 करोड़ रुपये के समझौतों से रेलवे को सेवा विस्तार, रखरखाव और यात्री सुरक्षा सुधारने में मदद मिलेगी
- वैबटेक ब्रेक सिस्टम, दरवाजे और गैंगवे समाधानों सहित महत्त्वपूर्ण ऑन-बोर्ड सिस्टम की आपूर्ति करेगी

सैन्य निर्णयों में सटीकता के लिए लागू होगा एआई

अभीक दास
बेंगलूरु, 27 अक्टूबर

भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) परियोजनाओं के लिए व्यापक ढांचा तैयार किया जाएगा। इसके लिए देश की अग्रणी मॉडल कंपनी सर्वम एआई ने रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (एचक्यू आईडीएस) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एआई तंत्र सेना की तीनों सेवाओं के साथ-साथ एचक्यू आईडीएस से जुड़े अन्य संस्थानों के लिए भी होगा।

कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह समझौता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और सैन्य उपकरण व क्षमताओं के स्वदेशीकरण की दिशा में सरकार के प्रयासों के तहत महत्त्वपूर्ण कदम है।

करार के मुताबिक सर्वम तीनों सेनाओं की परिचालन, प्रशिक्षण और निर्णय संबंधी आवश्यकताओं के लिए एआई एप्लिकेशन को डिजाइन, विकसित और तैनात करेगा। इसके बाद तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगा। सर्वम के सह-संस्थापक प्रत्युष कुमार ने कहा, 'सर्वम भारत में, भारत के लिए एआई बनाने के लिए है। इस मिशन का मूल उद्देश्य देश के उन महत्त्वपूर्ण संस्थानों में एआई लाना है, जहां इसकी जरूरत है।'

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया | Union Bank of India
अच्छे लोग, अच्छा बैंक | Good people to bank with
केंद्रीय कार्यालय, निवेशक सेवाएं, यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, 12वां तल, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021, **दूरभाष:** 022-22896636
ईमेल: investorservices@unionbankofindia.bank.in
वेबसाइट: https://unionbankofindia.bank.in

शेयरधारकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना
भौतिक शेयरों के अंतरण अनुरोधों को पुनः प्रस्तुत करने हेतु विशेष अवसर

सेबी परिपत्र सं. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/1/3750/2026 दिनांक 30 जनवरी 2026 के अनुपालन में, शेयरधारकों को सूचित किया जाता है कि भौतिक शेयर प्रमाण-पत्रों के अंतरण संबंधी अनुरोधों के पुनः प्रस्तुतिकरण के लिए दिनांक **5 फरवरी, 2026 से 4 फरवरी, 2027** तक एक (1) वर्ष की अवधि हेतु एक विशेष अवसर प्रदान किया गया है.

यह सुविधा उन अंतरण विलेखों पर लागू होगी, जो दिनांक 1 अप्रैल, 2019 से पूर्व प्रस्तुत किए गए थे, किंतु दस्तावेजों, प्रक्रिया अथवा अन्य कारणों से अस्वीकृत कर दिए गए थे, वापस लौटा दिए गए थे अथवा जिन पर कार्रवाई नहीं की जा सकी थी.

जो शेयरधारक पहले की समय सीमा से चूक गए थे, वे अब नीचे दिए गए पते पर बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करके इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं:

केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
पता: यूनिट: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नंबर 31 एंड 32, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानक्रमगुड़ा, सेरिलिंगमपल्ली मंडल, हैदराबाद - 500032
ईमेल: einward.ris@kfintech.com वेबसाइट: www.kfintech.com,
टोल फ्री नंबर 1800 309 4001

हम सभी शेयरधारकों से यह भी अनुरोध करते हैं कि वे संचार में सुगमता और लाभांश के निर्बाध भुगतान को सुनिश्चित करने के लिए डीपी (यदि शेयर डीमैट रूप में हैं) या आरटीए (यदि शेयर भौतिक रूप में हैं) के साथ पैन, ईमेल आईडी, पता, मोबाइल नंबर और बैंक खाते के विवरण सहित केवाईसी विवरण अद्यतन करें.

भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने शेयर प्रमाण-पत्र अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) को प्रस्तुत कर उन्हें डीमैट रूप में परिवर्तित करा लें.

कृते यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
हस्ता/-
(आशीष मिश्रा)
कंपनी सचिव

स्थान: मुंबई
दिनांक: 26.10.2026

PHOTO: SHUTTERSTOCK

GULVEEN AULAKH
New Delhi, 27 October

India and the battle for satellites

Sly innuendos aside, the recent social media exchanges involving Starlink make a case for harnessing satellites to roll out connectivity more evenly across India

The barb-laden social media trail kicked off by SpaceX founder Elon Musk's October 7 post that blamed "certain oligarchs" for blocking his Starlink satellites from entering India has set off a timely debate on how to develop India's already-frenetic mobile telephone market even further.

Timely because Reliance Industries Ltd, whose chairman Mukesh Ambani was later named by Musk as the "oligarch" he had in mind, is headed for a ₹30,213 crore listing of its subsidiary Jio Platforms Ltd.

The posts by the world's first trillionaire entrepreneur signalled the need to flesh out two important ingredients of India's communication and inclusive growth ambitions — suitable technologies and competition.

The social media posts were sparked by a user who argued India urgently needed Starlink satellites because thousands of its villages were without 4G wifi networks.

According to Lauren Dreyer, who looks after Starlink business operations at SpaceX, the company is ready to serve India the moment it gets the green signal. Starlink had been ready for five years, having built 20 gateway sites with hundreds of antennae and controls in place to keep Indian user-data inside the country.

"We are ready to help Prime Minister Modi achieve his vision of 100 per cent connectivity throughout India — a vision all of our company, including Elon, shares," she told the India Mobile Congress.

The government in its defence denied allegations of bias, saying telecom licences had been granted to three mobile satellite services— Starlink, Bharti Enterprises-backed Eutelsat OneWeb and Reliance's Jio Satellite Communications. Security assessments were underway and, once granted, the firms could seek spectrum. Telecom minister Jyotiraditya Scindia added that Amazon LEO, formerly known as Project Kuiper, was also eyeing an India entry.

Sunil Mittal, chairman of Bharti Enterprises, the largest shareholder in the Eutelsat group, the merged entity of French satellite major Eutelsat and the UK's OneWeb, weighed in saying he, too, was waiting for approvals from the government.

Musk wouldn't back down: "There are many areas of India, as there are in all countries, with no Internet access, which denies children the opportunity for education and for small businesses the opportunity to sell their goods to a global market. Starlink would change their lives for the better."

"Ambani's profits will be lower, but he is not going out of business. And, obviously, if Starlink is too expensive in India, no one will buy it, so SpaceX will need to make pricing affordable," he said in yet another post.

That's the story of the tug-of-war which now appears to have quietened down.

Satcom, mobile or direct-to-device?

In its home market, SpaceX, meanwhile, announced an $8-billion deal to buy a nationwide portfolio of 800 MHz spectrum from the investment firm Grain Management, which included 14 megahertz of paired low-band airwaves, subject to approval from the US telecoms regulator.

The impact on global telecom stocks was palpable. Telecom stocks fell across the US, Europe and Australia. In India, Bharti Airtel fell 1.44 per cent, Vodafone Idea 1.02 per cent and Reliance Industries 1.62 per cent.

Telecom sector expert Parag Kar said Starlink's existing satellite-to-phone service using 2 GHz spectrum works outdoors but struggles to penetrate walls. Adding the 800 MHz spectrum would solve that problem and make Starlink a real competitor to traditional telecom services providers.

But analysts noted that without ground infrastructure or towers to propagate the 800 MHz network Starlink would not be able to offer its mobile service in any market.

"This purchase of frequency, which will take months to be confirmed by regulators, is for the US only. The underlying technology would, however, be applicable elsewhere, if SpaceX or a partner could obtain use of similar low-band frequency," said Simon Baker, senior research director at IDC, specialising in satellite and non-terrestrial connectivity.

THE CHALLENGE ISN'T SIMPLY COMPLIANCE: INDIA WANTS SATELLITE TRAFFIC FROM INDIAN USERS TO BE MONITORABLE AND CONTROLLABLE WITHIN THE COUNTRY

In India, Reliance Jio owns a major chunk of the 800 MHz band. And for Starlink, setting up a tower network on its own will mean spending trillions of rupees. But the possibility of Starlink offering direct mobile services to consumers will be a concern to Indian players, especially after Musk said in an earnings call this month, "We will be building out our terrestrial networks so that there's broad-based connectivity anywhere in the world that SpaceX and Starlink are allowed to operate."

He added, "I think the demand for bandwidth is going to be dramatically higher than it is today. I think in three to five years there's probably a demand for 1,000x more bandwidth than there is currently, because AI or SI (super intelligence) agents will, on a per-agent basis, use far more bandwidth than a person, and there will be far more agents than there are people. So this ends up requiring a several order of magnitude increase in communication bandwidth in order to satisfy that communication demand."

"The strategic significance of Starlink's spectrum moves is greater than the spectrum itself," said Akhilesh Tuteja, partner and national leader - clients and markets, and technology, media and telecommunications (TMT) at KPMG in India.

"It signals an ambition to move satellite connectivity closer to the mainstream mobile ecosystem, particularly through direct-to-device services. That could progressively blur the boundary between a satellite operator and a telecom operator," he said.

Satcom scalability

Interestingly, Jio Platforms Ltd, in its red herring prospectus, says satellite broadband was unlikely to scale in India because fixed wireless access offers fibre-like speeds at cheaper rates. It put Starlink's entry plans at roughly ₹4,800 a month in the US and ₹2,500-4,500 in most African markets — much more than what the average consumer spends in India.

However, it also listed satellite competition as a key risk because satellite spectrum is allocated administratively rather than auctioned, which makes entry costs lower for satellite players than for terrestrial operators.

If satellites scale faster or are cheaper than expected, Jio conceded, its fibre and airfibre offerings could become less competitive, and require additional investments. It argued that satellites were relevant for remote or hard-to-reach locations where terrestrial roll-out was challenging.

The pros and cons of satcom were listed out for investors since Jio is in the process of developing its own constellation of 1,600 satellites to provide connectivity, especially in remote areas. The company said it may even enter into strategic partnerships with leading global constellation providers.

"The Jio constellation will be coming late to the LEO (lower earth orbit) party. Starlink is already well-established globally and Amazon LEO is building up its satellite fleet. Other systems are being deployed or are planned, including from China. As a late entrant, Jio will face a competitive marketplace," IDC's Baker said.

"Satellite will become more integrated into mobile service in the future than it is now, and this justifies launching service at this relatively early stage in development of direct phone-to- satellite technology," Baker said.

KMPG's Tuteja said that while the Indian satcom broadband market will initially be much smaller than the mobile market, the comparison can be misleading. "The attraction of satcom is not that it will replace mobile; it is that it can reach where mobile economics eventually runs out. A smaller market by connections does not necessarily mean a less strategic market," he said.

"In a country of India's geographic scale, even that edge of the network can represent a significant market."

Starlink's India dilemma

Starlink first tried to enter India in 2021 by taking pre-orders before it had a licence, and the government told it to stop. It received its satellite licence in June 2025, followed by the space regulator's approval and provisional trial spectrum. It is still to get security clearance, approval of foreign investment, and a final spectrum price.

However, the challenge isn't simply compliance: India wants satellite traffic from Indian users to be monitorable and controllable within the country, with the ability to restrict services in "emergencies". Starlink's satellites relay data among themselves by laser, a design that enables it to offer its services anywhere in the world — services beamed from satellites are not constrained by political borders. This poses a security concern and makes compliance harder. Indian officials have also cited Starlink's role in conflict zones such as Ukraine and Iran to demand total control.

"Starlink is unwilling to comply with regulations requiring domestic infrastructure," a senior government official said.

To be sure, Starlink's two biggest Indian rivals are also its partners. Both Jio and Airtel signed deals with SpaceX in March 2025 to bring Starlink to their customers, subject to approvals.

RIL statement

On October 16, RIL broke its silence on Musk. A day after filing the RHP, the oil-to-telecoms conglomerate said it "welcomed competition in satellite communications", investment and innovation – homegrown or international. However, all operating in India must follow the rule of law, it said, adding its own satellite services await clearances.

Like Musk, Jio, too, cited the people of India.

"Every player, Jio included, must serve the people of India and abide by the laws and policies of the land," RIL said.

Musk's response was a brief "Much appreciated". But Starlink threw down the gauntlet anyway, saying it was "ready" — "ready to connect India with high-speed internet".

With Starlink planning terrestrial expansion and Jio gazing skywards, all that remains to be seen now is how this rivalry in the booming broadband industry serves India's unconnected.

Timeline of approvals given to Starlink

Date	Approval	Authority
May 2025	Letter of Intent (LoI)	Department of Telecommunications (DoT)
June 2025	Global mobile personal communications by satellite (GMPCS) Licence	DoT
July 2025	Satellite authorisation	IN-SPACe
2026	Security clearance (pending)	Law enforcement agencies under Ministry of Home Affairs

Pending security approvals

- Starlink, backed by SpaceX
- Jio Platforms & SES JV
- Eutelsat-OneWeb, backed by Bharti group

Upcoming satcom players

- Jio Platforms — own LEO constellation for India and global markets
- Amazon Leo — LEO constellation for global market and India

https://bankofbaroda.bank.in

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

Request for Proposal (RFP) for Empanelment of Human Resource Recruitment Consultants for Hiring Manpower/ Capacity Building in Senior Management Positions as well as for Providing other support services in Bank of Baroda & its Wholly Owned Subsidiaries

Bank of Baroda has floated the following Request for Proposal (RFP) inter-alia inviting applications from eligible & suitable organisations for:

"Empanelment of Human Resource Recruitment Consultants for Hiring Manpower / Capacity Building for Senior Management Positions as well as for providing other support services in Bank of Baroda & its wholly owned subsidiaries."

The RFP Document containing complete details / Guidelines / instructions is available through the **'Tenders'** section on the Bank's website **https://bankofbaroda.bank.in**

Any Addendum / Corrigendum / Clarification including modification in RFP Document shall be notified only through the Tenders Section of the Bank's website (**https://bankofbaroda.bank.in**). Applicants should refer the Bank's Website before submission of their proposal.

The last date of submission of the proposals is **17th November 2026, 5:00 pm.**

Place: Mumbai
Date: 28.10.2026

Chief General Manager
(HRM & Marketing)

(102/26-27)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
Union Bank of India
अच्छे लोग, अच्छा बैंक
Good people to bank with

Central Office, Investor Services, Union Bank Bhavan, 239 Vidhan Bhavan Marg, 12th Floor, Nariman Point, Mumbai - 400 021 **Phone:** 022-22896636
Email: investorservices@unionbankofindia.bank.in
Website: https://unionbankofindia.bank.in

IMPORTANT NOTICE TO SHAREHOLDERS
SPECIAL WINDOW FOR RE-LODGEMENT OF TRANSFER REQUESTS OF PHYSICAL SHARES

Pursuant to SEBI Circular No. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/1/3750/2026 dated January 30, 2026, shareholders are hereby informed that a Special Window has been opened for a period of one (1) year, from **February 5, 2026 to February 4, 2027,** for the re-lodgement of transfer requests for physical share certificates.

This facility is applicable to transfer deeds lodged prior to April 1, 2019 which were rejected, returned, or not attended due to deficiencies in documents, process, or otherwise.

Shareholders who missed the earlier deadline may now avail this opportunity by submitting the requisite documents to the Bank's Registrar and Share Transfer Agent at the address mentioned below:

KFin Technologies Limited

Address: Unit: Union Bank of India- Selenium Tower B, Plot Nos. 31 & 32, Financial District Nanakramguda Serilingampally Mandal, Hyderabad – 500032 • **Email: einward.ris@kfintech.com** • **Website: www.kfintech.com** • **Toll Free No 1800 309 4001**

We also request all the shareholders to update KYC details including PAN, email id, address, mobile number and bank account details with the DP (if shares are held in demat form) or with RTA (if shares are held in physical form) to ensure the ease of communication and seamless payment of dividend.

Shareholders holding shares in physical form are requested to demat their shares by submitting share certificate to their Depository Participant (DP).

For Union Bank of India
SD/-
(ASHISH MISHRA)
Company Secretary

Place: Mumbai
Date: 26.10.2026

MAZAGON DOCK SHIPBUILDERS LTD.

(Ship & Submarine Builders to the Nation)
A Government of India Enterprise, Ministry of Defence
CIN: L35100MH1934GOI002079
Registered and Corporate Office: Dockyard Road, Mumbai - 400010, Maharashtra, India
Ph.: 022-23762015 E-mail: investor@mazdock.com https://mazagondock.in

UNAUDITED STANDALONE AND CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 30, 2026

The Unaudited Financial Results (Standalone & Consolidated) of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026 are available on the Company's website at https://mazagondock.in and on the websites of BSE Limited & National Stock Exchange of India Limited at www.bseindia.com and www.nseindia.com respectively. In compliance with Regulation 47 of the SEBI (LODR) Regulations, 2015, the same can also be accessed by scanning the QR Code provided alongside.

Date: 27.10.2026 Place: Mumbai

For and on behalf of the Board of Directors
Sd/-
Ruchir Agrawal
Director (Finance) & CFO
DIN - 10166533

UPDATE BANK DETAILS & CLAIM UNPAID/UNCLAIMED DIVIDENDS

Shareholders are requested to update their bank details with their Depository Participant (DP) at the earliest to ensure timely credit of dividends and to claim any unpaid/unclaimed dividends lying with the Company. Details of unpaid/unclaimed dividends are available on the Company's website at https://mazagondock.in/ English/pages/Dividend. Shareholders are advised to take timely action to avoid transfer of eligible unpaid/unclaimed dividends and corresponding shares to the Investor Education and Protection Fund (IEPF), in accordance with applicable provisions. For assistance, shareholders may write to investor@mazdock.com or contact the Company's RTA, M/s Alankit Assignments Limited, 205–208 Anarkali Complex, Jhandewalan Extension, New Delhi – 110055; Website: www.alankit.com; Email: rta@alankit.com; Tel.: +91 11 42541100 / 42541234; Fax: +91 11 23552001.

जाहीर सूचना

जाहीर सूचना

L&T Finance

ताबा सूचना

दिनांक: 28.10.2026

केनरा बँक Canara Bank

प्रादेशिक कार्यालय कोल्हापूर / REGIONAL OFFICE KOLHAPUR

ई मेल - recoveryrosolapur@canarabank.com

विक्री सूचना

लिलावाची तारीख: ३०.११.२०२६ (दु. ०१:०० ते दु. २:०० पर्यंत)

ईअर जमा करण्याची अंतिम तारीख: ३०.११.२०२६ (दु. १२.०० पर्यंत)

तपशीलासाठी BAANKNET.COM वर लॉग इन करा.

अ. क्र.	शाखा तपशील	कर्जदार/हमीदाराचे नाव	देय रक्कम	मिळकतीचे वर्णन	राखीव किंमत	इअर
१	... शाखा कॅनरा बँक मोबा. ... आणि ईमेल आयडी cb15370@canarabank.com	सारिका संदीप ... संदीप ...	रु. १५,५७,११०.८३	... फ्लॅट क्र. १०१ ... सिंधुदुर्ग ... महाराष्ट्र ... सीमाबद्ध : पूर्व : खुली जागा; पश्चिम : फ्लॅट क्र. १०३ ...	रु. १६,५०,०००.००	रु. ...

विक्रीच्या तपशिलवार अटी आणि शर्तींकरिता कृपया कॅनरा बँक वेबसाईट (www.canarabank.com) मधील पुरविलेल्या ई-लिलाव लिंकचा संदर्भ घ्यावा किंवा बँकेच्या वरील नमूद संबंधित शाखा व्यवस्थापकाला त्यांच्या मोबाईल क्र. आणि ई-मेल आयडी वर कोणत्याही कामकाजाच्या दिवशी कार्यालयीन वेळेत संपर्क साधावा.

सही/- संदीप विलासराव आहोले
प्राधिकृत अधिकारी, कॅनरा बँक

दिनांक - २८.१०.२०२६
ठिकाण - कोल्हापूर

बँक ऑफ महाराष्ट्र Bank of Maharashtra

एक परिवार एक बँक

तणावग्रस्त आस्ति व्यवस्थापन शाखा : मेझानाईन मजला, आयुर्वेद रसशाळा बिल्डींग, गरवारे मेट्रो स्टेशन जवळ, कर्वे रोड, पुणे-४११००४, फोन : ७०३०९२४१४०,
ईमेल : bom1446@bankofmaharashtra.bank.in, brmgr1446@bankofmaharashtra.bank.in
मुख्य कार्यालय : लोकमंगल, १५०१, शिवाजीनगर, पुणे - ५

दि सिक्युरिटायझेशन अँड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनान्शियल ॲसेट्स अँड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटी इंटरेस्ट ॲक्ट २००२ आणि त्यासह वाचण्याच्या सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रुल्स २००२ मधील रूल ८(६) च्या अटींनुसार मालमत्तांच्या विक्रीकरिता ई-ऑक्शन विक्री सूचना.

अ. क्र.	कर्जदार/ जामीनदाराचे नाव आणि पत्ता	देणे रक्कम	स्थावर मालमत्तेचे संक्षिप्त वर्णन आणि ताब्याचा प्रकार	राखीव किंमत / इसारा रक्कम / बोली वाढविण्याची रक्कम
१	१) मे. धुपी सुदर्शन इन्फ्रास्ट्रक्चर (कर्जदार) ... २) श्री. निर्मल रतनलाल जैन (भागीदार आणि जामीनदार) ... ३) श्री. ... जैन (भागीदार आणि जामीनदार) ...	रु. १०,९१,२१,४९६/-	लॉट नं. १ ... ताब्याचा प्रकार : प्रतिकात्मक	राखीव : रु. १३,४५,००,०००/- (रुपये तेरा कोटी पंचेचाळीस लाख फक्त) इसारा : रु. १,३४,५०,०००/- (रुपये एक कोटी चौतीस लाख पन्नास हजार फक्त) बोली वाढीची रक्कम : रु. ९,००,०००/- (रुपये नऊ लाख फक्त)

संपर्क: पूजा कुरित, वरिष्ठ प्रबंधक - मोबा.: ७०३०७३२४३२, ... वरिष्ठ प्रबंधक, मोबा: ९५५२९८५६९९ आणि संपतलाल पांडे, सहाय्यक महाप्रबंधक आणि शाखा प्रमुख - मोबा.: ९७६६३४०३३८

अ. क्र.	तपशील		तारीख व वेळ
१	ई - लिलावाची तारीख व वेळ	लॉट नं. १ करिता	दि. १८/११/२०२६, स. ११.०० ते दु. ४.०० दरम्यान
२	इसारा रक्कमेसह बिडस सादर करण्याची अंतिम तारीख		दि. १८/११/२०२६, स. ११.०० पर्यंत
३	मालमत्ता पाहणीची तारीख व वेळ	लॉट नं. १ करिता	दि. ०२/११/२०२६, ते दि. १०/११/२०२६, स. १०.०० ते सायं. ५.०० दरम्यान

१) सदर ई-ऑक्शन BAANKNET मार्फत करण्यात येईल ... "https://baanknet.com/eauction-psb" ... support.BAANKNET@psballiance.com ... https://www.bankofmaharashtra.bank.in/properties_for_sale.asp ...

सहायक महाप्रबंधक आणि अधिकृत अधिकारी,
बँक ऑफ महाराष्ट्र

दिनांक : २२/१०/२०२६
ठिकाण : पुणे

जाहीर सूचना

... मौजे देवनार, तालुका कुर्ला, जिल्हा मुंबई उपनगर येथील सीटीएस क्र. ... क्षेत्रफळ ... स्टेशन रोड, चेंबूर, मुंबई ४०००८८ येथे स्थित असलेला सर्व तो भाग व विभाग.

सर्व साह्यकांच्या वतीने :
सही/-
नील माहेश्वरी
वकील आणि सॉलिसिटर

दिनांक : २८ ऑक्टोबर, २०२६

यूनियन बँक ऑफ इंडिया Union Bank of India

अच्छे लोग, अच्छा बैंक — Good people to bank with

केंद्रीय कार्यालय, इन्व्हेस्टर सर्व्हिसेस, युनियन बँक भवन, 239 विधान भवन मार्ग, 12वा मजला, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021 फोन: 022-22896636
ईमेल: investorservices@unionbankofindia.bank.in
वेबसाईट: https://unionbankofindia.bank.in

शेअरधारकांसाठी महत्त्वाची सूचना

फिजिकल शेअर्सच्या ट्रान्सफर विनंत्या पुन्हा जमा करण्यासाठी विशेष विंडो

SEBI परिपत्रक क्र. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/1/3750/2026 दिनांक 30 जानेवारी 2026 नुसार, शेअरधारकांना सूचित करण्यात येते की फिजिकल शेअर सर्टिफिकेट्ससाठी ट्रान्सफर विनंत्या पुन्हा जमा करण्यासाठी फेब्रुवारी 5, 2026 ते फेब्रुवारी 4, 2027 या कालावधीत एक वर्षासाठी विशेष विंडो उपलब्ध आहे.

ही सुविधा 1 एप्रिल 2019 पूर्वी जमा केलेल्या आणि दस्तऐवज, प्रक्रियेतील त्रुटी किंवा इतर कारणामुळे नाकारलेल्या, परत मिळालेल्या किंवा पूर्ण न झालेल्या ट्रान्सफर डीड्ससाठी लागू आहे.

पूर्वीची मुदत चुकवलेले भागधारक आता खाली दिलेल्या पत्त्यावर बँकेच्या रजिस्ट्रार आणि शेअर ट्रान्सफर एजंटला आवश्यक कागदपत्रे सादर करून ही संधी घेऊ शकतात.

KFin Technologies Limited

पत्ता: युनियन बँक ऑफ इंडिया - सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट क्र. 31 & 32, फायनान्शियल डिस्ट्रिक्ट, नानकरामगुडा, सेरिलिंगमपल्ली मंडळ, हैदराबाद – 500032
ईमेल: einward.ris@kfintech.com वेबसाईट: www.kfintech.com
टोल फ्री क्रमांक: 1800 309 4001

सर्व भागधारकांकडून विनंती आहे की ते KYC तपशील अद्ययावत करावेत ज्यामध्ये PAN, ईमेल आयडी, पत्ता, मोबाइल नंबर आणि बँक खाते तपशील समाविष्ट आहेत. DP कडे (जर शेअर्स डिमॅट फॉर्ममध्ये असतील) किंवा RTA कडे (जर शेअर्स भौतिक स्वरूपात असतील), जेणेकरून संवाद सुलभ व्हावा आणि लाभांशाचे पेमेंट सहजपणे होईल.

ज्यांचे शेअर्स भौतिक स्वरूपात आहेत असे भागधारक आपले शेअर्स डिमॅट स्वरूपात रूपांतरित करण्यासाठी आपला शेअर सर्टिफिकेट आपल्याच्या डिपॉझिटरी पार्टिसिपंट (DP) कडे सादर करा.

युनियन बँक ऑफ इंडिया साठी
SD/-
(आशीष मिश्रा)
कंपनी सचिव

स्थान: मुंबई
दिनांक: 26.10.2026

SBI State Bank of India

स्थावर मिळकतींच्या विक्रीकरिता ई-लिलाव विक्री सूचना

सारस्वत को-ऑपरेटिव्ह बँक लिमिटेड

कब्जा सूचना

(सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रुल्स, २००२ च्या नियम ८(१) अन्वये)

SAKUMA EXPORTS LTD.

CIN: L51909MH2005PLC155765
Registered Office: Aurus Chamber, A 301, Near Mahindra Tower, S S Amrutwar Lane Worli, MUMBAI, Maharashtra, India, 400013
Website: https://www.sakumaexportsltd.com/
Email: companysecretary@sakumaexportsltd.com

NOTICE OF EGM

The **Extra-Ordinary General Meeting** of the Company, will be held on **Saturday, 21st day of November, 2026 at 11:00 A.M. through Video Conferencing (VC) or Other Audio-Visual Means (OAVM).**

The company is providing the facility to vote by electronic means on all or any of the business specified in the notice convening EGM. For the purpose of determining the shareholders eligible to cast their votes, the company have **fixed 14.11.2026 as the cut-off date.** The company has engaged the services of Bigshare Services Private Limited to provide e-voting facility. The voting period begins on 18.11.2026 at 9:00 A.M. and ends on 20.11.2026 at 5:00 P.M. This intimation is also available on the website of the Company, BSE and NSE. The link of the Notice is:
https://www.sakumaexportsltd.com/investors/announcement/Notice-of-EOGM-21-11-2026.pdf
and can be accessed by scanning Quick Response (QR) code given below:

FOR **SAKUMA EXPORTS LIMITED**
Sd/-
(SAURABH MALHOTRA)
(Managing Director)
(DIN: 08214500)

रेपको होम फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना